UNNAT BHARAT ABHIYAN

Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

25 सितंबर 2020

सिंचाई जल को बचाने की जरूरत : अशोक

रुड़की। आईआईटी रुड़की की ओर से सिंचाई जल दक्षता बढ़ाने के संबंध में 'इन्हेंसिंग इरिगेशन वाटर यूज एफिशिएंसी' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय जल मिशन कार्यक्रम के डायरेक्टर जी अशोक कुमार ने कहा कि भारत में जहां दुनिया की कुल आबादी की 18 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, वहीं दुनिया में उपलब्ध कुल स्वच्छ पेयजल की सिर्फ चार प्रतिशत उपलब्धता है। इस पेयजल का 85-89 प्रतिशत भाग हम कृषि में सिंचाई के रूप में उपयोग कर लेते हैं। यदि हम इस सिंचाई जल का 10 प्रतिशत भाग भी बचाने में सफल हो जाते हैं तो यह एक सार्थक प्रयास होगा।

आईआईटी की ओर से सिंचाई जल दक्षता बढ़ाने के संबंध में वेबिनार आयोजित

उन्होंने कहा कि चीन, ब्राजील एवं अमेरिका जैसे दुनिया के प्रमुख कृषि उत्पादक देशों के मुकाबले हमारे देश में प्रति इकाई अनाज उत्पादन में 2 से 3 गुना पानी की खपत होती है। इसके लिए हमें जल दक्षता क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है। केंद्रीय जल आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार यदि हम सिर्फ सिंचाई के क्षेत्र में ही जल दक्षता को बढ़ाने में सफल हो जाते हैं तो लगभग 20% पेयजल की बचत की जा सकती है। इस मौके पर आईआईटी रुड़की के क्षेत्रीय समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय ने जी अशोक कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका जल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान है। वेबिनार में डीन प्रो. मनीष श्रीखंडे, विभागाध्यक्ष प्रो. एमएल कंसल ने किसानों को पानी की बचत करते हुए उन्नत खेती करने के प्रति प्रेरित करने की जरूरत बताई।